भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1248
उत्तर देने की तारीख 27.07.2026

उत्तर प्रदेश में वैश्विक पर्यटन और सांस्कृतिक अवसंरचना को बढ़ावा देना

1248. श्री तनुज पुनिया :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा वर्तमान में उत्तर प्रदेश के वाराणसी, अयोध्या, मथुरा और प्रयागराज जैसे प्रमुख सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्रों में वैश्विक पर्यटन को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक अवसंरचना को मजबूत करने के लिए कार्यान्वित की जा रही योजनाओं का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार उत्तर प्रदेश की नौटंकी, चरकुला नृत्य और 'कजरी गायन' जैसी संकटग्रस्त लोक कला शैलियों के संरक्षण और स्थानीय कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए किसी विशेष पैकेज पर विचार कर रही है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) विगत दो वर्षों के दौरान उक्त उद्देश्य के लिए उत्तर प्रदेश को आवंटित और जारी की गई निधि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

क) से (ग): भारत सरकार उत्तर प्रदेश के प्रमुख सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्रों सहित भारत में वैश्विक पर्यटन को बढ़ावा देती है और सांस्कृतिक अवसंरचना को सुदृढ़ करती है। पर्यटन मंत्रालय आतिथ्य सत्कार स्कीम सहित देशीय संवर्धन और प्रचार के अंतर्गत मेलों, उत्सवों और पर्यटन से संबंधित कार्यक्रमों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों (उत्तर प्रदेश सहित) और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करता है।

संस्कृति मंत्रालय अपने विभिन्न स्कीमों और सांस्कृतिक संस्थाओं के माध्यम से उत्तर प्रदेश में वैश्विक पर्यटन को बढ़ावा देता है और सांस्कृतिक अवसंरचना को सुदृढ़ करता है।

वैश्विक भागीदारी स्कीम के अंतर्गत, मंत्रालय ने विदेशों में भारत महोत्सवों (एफओआई) में प्रदर्शन करने के लिए विभिन्न कला रूपों के अंतर्गत कलाकारों/समूहों को पैनलबद्ध किया है। वर्तमान में, 627 कलाकार/समूह मंत्रालय के पैनल में शामिल हैं। इनमें से 31 कलाकार/समूह उत्तर प्रदेश से हैं।

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, जिसका पंजीकृत कार्यालय प्रयागराज में है, उत्तर प्रदेश सहित अपने क्षेत्र में लोक और जनजातीय कलाओं पर विशेष ध्यान देते हुए कला और साहित्य के रचनात्मक विकास के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) का वाराणसी में एक क्षेत्रीय केंद्र है जो उत्तर प्रदेश के लोक-कला रूपों सहित भारत की कला और सांस्कृतिक विरासत के अनुसंधान, प्रलेखन, संरक्षण और प्रसार से संबंधित कार्यकलाप संचालित करता है। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय अपने नियमित कार्यकलापों के भाग के रूप में अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, नाट्य प्रस्तुतियों और उत्सवों के माध्यम से उत्तर प्रदेश के पारंपरिक और लोक रंगमंच रूपों के प्रचार और संरक्षण में सहायता करता है। इसी तरह, सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और परिरक्षित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम कार्यान्वित करता है जो उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में सांस्कृतिक पर्यटन का समर्थन करते हैं।

इसके अलावा, विदेश मंत्रालय के अंतर्गत संगठन, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), लखनऊ में स्थित क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा राज्य भर में आयोजित अपने मासिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से उत्तर प्रदेश के विविध पारंपरिक और लोक-कला रूपों का प्रतिनिधित्व करने वाले कलाकारों को प्रस्तुतीकरण के अवसर प्रदान करता है।

आईसीसीआर ने उत्तर प्रदेश की कला और संस्कृति को विदेशों में बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। आईसीसीआर विश्व के विभिन्न देशों में प्रदर्शन करने के लिए उत्तर प्रदेश सहित भारत की लोक-कला मंडलियों को प्रायोजित करता है और उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में विदेशी सांस्कृतिक मंडलियों/कलाकारों की सहभागिता को भी प्रायोजित करता है। विगत दो वर्षों के दौरान, आईसीसीआर ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित अनेक प्रतिष्ठित सांस्कृतिक उत्सवों/कार्यक्रमों में 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कलाकारों की भागीदारी को सुविधाजनक बनाया है।

(घ): विगत दो वर्षों के दौरान उक्त प्रयोजन से विशेष रूप से उत्तर प्रदेश को कोई धनराशि आवंटित और जारी नहीं की गई है।

******